कार्यालय जनसम्पर्क अधिकारी

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

राजा पंचम सिंह मार्ग, ग्वालियर (म.प्र.) – 474002

फोन/फैक्स : 0751–2970230, 2970231

ईमेल : pro.rvskvv@gmail.com

क्र./जन.कार्य./2024/418 दिनांक : 04/02/2024

प्रति,

श्रीमान संपादक महोदय/ब्यूरोचीफ

ग्वालियर, म.प्र.

महोदय,

निवेदन है कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर का एक महत्वपूर्ण समाचार प्रकाशनार्थ प्रेषित है। कृपया प्रकाशित कर सहयोग करने का कष्ट करें।

(जनसम्पर्क अधिकारी)

प्रेसनोट :

कृषि विश्वविद्यालय के किसान मेले में हजारों किसानों ने जानी उन्नत कृषि तकनीक

- **विश्वविद्यालय किसान हितैषी कार्यो में बन रहा अग्रणीः– पूर्व मंत्री भारत सिंह कुशवाह**

ग्वालियर। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में चल रहे चार दिवसीय मेले में आज हजारों किसानों, विद्यार्थियों व नगरजनों ने भाग लिया गया। उन्होंने कृषि से जुडी नई तकनीकों, पौध, फल, शाक सब्जी की नई किस्मों, उन्नत कृषि व सिंचाई उपकरणों, श्रीअन्न के द्वारा निर्मित पोषक उत्पादन तथा खाद्य प्रसंस्करण के नए–नए प्रयोग को देखा और सराहा। किसानों का कहना था कि क्षेत्र में पहली बार इतनी भव्य एवं उपयोगी प्रदर्शनी लगने से हमें बहुत कुछ जानने को मिला है, इसका लाभ आगे चलकर हमारी खेती में होगा। विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित यह मेला दिनांक 6 फरवरी तक जारी रहेगा

किसान मेला एवं अंतराष्ट्रीय कृषि तकनीकी प्रदर्शनी में दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रगतिशील किसान एवं पूर्व मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा हमारा प्रदेश निरंतर किसानों के लिए प्रशंसनीय कार्य कर रहा है इसलिए इसे लगातार सात बार कृषि कर्मण पुरस्कार भी प्रदान किया गया है। कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर भी लगातार किसान हितैषी कार्यों में लगा हुआ है इसके इन प्रयासों का एक सफल रूप इस मेले व प्रदर्शनी में हम देख सकते है। विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को एकत्र कर हमारे कृषि वैज्ञानिकों को ध्यानपूर्वक सुनने व मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया जिसका इससे लाभ लेकर

कार्यालय जनसम्पर्क अधिकारी

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

राजा पंचम सिंह मार्ग, ग्वालियर (म.प्र.) – 474002

फोन/फैक्स : 0751–2970230, 2970231

ईमेल : pro.rvskvv@gmail.com

गुणवत्तापूर्ण फसलों का उत्पादन करें। मेले में उन्नत तकनीकों, कृषि यंत्रों व मशीनों का भ्रमण करके अध्ययन करें कि कम पानी, कम उर्वरक का प्रयोग करके अधिक उत्पादन कैसे प्राप्त किया जा सकता है। श्री कुशवाहा ने कहा कि रबी और खरीफ की फसलों के साथ–साथ उद्यानिकी में भी काफी अवसर है। प्रदेश के किसान परंपरागत खेती को छोड़कर नई तकनीक के साथ खेती कर प्रगतिशील किसान बन सकते है।

इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि वैज्ञानिक डॉ. आर.के. द्विवेदी, डॉ. एम. के. भार्गव, डॉ. प्रियदर्शनी खंबालकर तथा उत्कृष्ट कार्य हेतु कृषक श्री दिनेश परमार, श्री घमंडीलाल, श्री सागर पाटीदार, श्री गौरव बग्गड़, श्री शिवचंद पाटीदार, श्री गोकुल त्रिरोल, श्री जयदीप सिंह तोमर, डॉ. योगेन्द्र कौशिक को सम्मानित किया गया। ट्रांसवर्ल्ड इंटरप्राइजेज के अनूप सिंह आनंद की ओर से अतिथियों को भेंट प्रदान की गई। कार्यक्रम में रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के कुलसचिव श्री एन.के. श्रीवास्तव, कृषि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. अरविन्द कुमार शुक्ला, निदेशक विस्तार सेवायें डॉ. वाय.पी. सिंह निदेशक अनुसंधान सेवायें डॉ. संजय शर्मा, कुलसचिव श्री अनिल सक्सेना भी उपस्थित रहें। कार्यक्रम में लगभग 8000 किसानों के द्वारा कृषि मेले का भ्रमण किया गया।

तकनीकी सत्रों में जायद की मूंग की उन्नत उत्पादन तकनीक, अधिक आर्थिक लाभ हेतु फूलों की खेती, संरक्षित कृषि एवं समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन, कृषि उद्यमिता विकास में एग्रीबिजनिंस इन्क्यूवेंशन केन्द्र की भूमिका आदि विषयों पर क्रमशः वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संदीप सिंह तोमर, रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के डॉ. गौरव शर्मा, आई.आई.एस.एस. के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वी.पी. मीणा और एग्रीबिजनिंस इन्क्यूवेंशन केन्द्र के नोडल अधिकारी डॉ. वाय.डी. मिश्रा द्वारा दिया गया। इस मेले में उर्वरक, रसायन, कीटनाशक, जैविक, एन.जी.ओ., एफ.पी.ओ., के.वी.के., उपकरण, पाइप, पंप, ग्रीनहाऊस, हर्बल दवा, मसाले, पॉलिमर, मल्चिंग, सिंचाई और जल संचयन और कृषि से जुडे कई अन्य स्टॉल है। देश के विभिन्न हिस्सों से प्रौद्योगिकियां और नवीन उत्पाद की स्टॉल भी प्रदर्शनियों में शामिल है।